उद्यमियों को यूपी में निवेश का न्योता

योगी ने दिल्ली में की उप्र ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 की औपचारिक घोषणा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिल्ली में 'उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023' की औपचारिक घोषणा की। दिल्ली से उन्होंने देशभर के निवेशकों को उप्र में निवेश का न्योता दिया। समिट के कर्टेन रेजर समारोह में विभिन्न देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों और उद्यमियों के सामने योगी ने अपने राज्य में 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' में आए सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए उप्र में निवेश की संभावनाओं का शोकेस भी सजाया।

नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित सुषमा स्वराज प्रवासी भारतीय भवन में मंगलवार को आयोजित समारोह में सीएम योगी ने जीआइएस-2023 के लोगो का अनावरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज एक प्रगतिशील परिवर्तनकारी यात्रा के शिखर पर है। प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित 'आत्मनिर्भर भारत' का विजन इस कायाकल्प का प्रमुख स्तंभ है। भारत को पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का देश बनाने के पीएम मोदी के विजन का अनुकरण करते हुए उत्तर प्रदेश ने अपने लिए एक ट्रिलियन डालर का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि यूपी सरकार 10 से 12 फरवरी 2023 तक लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रही है, ताकि राज्य में उपलब्ध असीम व्यावसायिक अवसरों से देश व दुनिया लाभान्वित हो सके। इन्वेस्टर्स समिट वैश्विक औद्योगिक जगत को आर्थिक विकास में सहयोग करने के लिए एक साझा मंच देने में उपयोगी सिद्ध होगा।

सीएम ने उद्यमियों को बताया कि इस तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन में विश्व स्तर के नीति निर्धारक, कारपोरेट जगत के शीर्ष नेतृत्व, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल और प्रबुद्धजन भाग लेंगे। सामूहिक रूप से व्यावसायिक संभावनाओं और सहभागिता के अवसरों पर मंथन किया जाएगा। समिट के लिए निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि इस बार इस समिट के माध्यम से प्रदेश ने 10 लाख करोड़ रुपये के वैश्विक निवेश का लक्ष्य रखा है। अब तक की तैयारियों की जानकारी भी उन्होंने दी। कहा कि आयोजन में भागीदारी के लिए अब तक लगभग 21 देशों ने उत्साह जताया है। नीदरलैंड्स, डेनमार्क, सिंगापुर, यूके और मारीशस पार्टनर कंट्री होंगे। प्रदेश सरकार भी 18 देशों और भारत के सात प्रमुख नगरों में रोड शो करेगी। योगी ने नीतियों में किए गए संशोधन और बदलाव की जानकारी दी और दावा किया कि यूपी में निवेश अनुकूल वातावरण को बेहतर से बेहतर करने का प्रयास लगातार जारी है। संबंधित सामग्री » 7

उप्र ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के लिए नई दिल्ली में आयोजित कर्टेन रेजर समारोह में विवरणिका जारी करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में नंद गोपाल 'नंदी' व सुरेश खन्ना • प्रेट्र

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT 10-12 FEBRUARY, 2023

- राजदूतों, उच्चायुक्तों व उद्यमियों के सामने सजाया प्रदेश में संभावनाओं का शोकेस
- लखनऊ में 10 से 12 फरवरी तक आयोजित होगी इन्वेस्टर्स समिट

निवेशकों को प्रदेश में मिलेंगी भरपूर सुविधाएं : नंदी

प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने उप्र में निवेशकों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं, निवेश की संभावनाओं और विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाओं के विकास का उल्लेख किया। कहा कि इस फ्लैगशिप इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से हम निवेशक समुदाय के बीच उत्तर प्रदेश के निवेश आकर्षण और राज्य के समेकित विकास के अवसर तैयार कर रहे हैं। भारत के विकास की एक नई कहानी लिखने में सहयोग के लिए वैश्विक व्यापारिक समुदाय के लिए एक मंच तैयार करेंगे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, सीआइआइ के वाइस प्रेसीडेंट संजीव पुरी, फिक्की के अध्यक्ष शुभ्र कुमार पंडा ने भी संबोधित किया।

अपराधी भाग रहे, उद्यमी लौट रहे: योगी

जासं, गाजियाबाद: प्रदेश में पहले अपराधियों और गुंडों को पालने वाली सरकार थी। उद्यमी प्रदेश छोड़कर जा रहे थे और अपराधी गुंडा टैक्स वसूल रहे थे। पांच साल में माहौल बदल गया है। अब उद्यमी यहां निवेश करने के लिए आ रहे हैं और अपराधी जेल में हैं। प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश सरकार के सहयोग से यह संभव हुआ है। विकास के क्रम को बनाए रखने के लिए केंद्र, प्रदेश और स्थानीय निकाय में एक ही विचारधारा की सरकार जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को गाजियाबाद में प्रबुद्धजन सम्मेलन व प्रदेश सरकार की 878 करोड़ रुपये की 755 परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश पर प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा है। हमारे पास प्रतिभावान युवा हैं। पांच साल में प्रदेश की तस्वीर बदली है। निवेशक यहां आ रहे हैं।

आठ लाख अतिरिक्त पीएम आवास स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश के हर गरीब के सिर पर छत की मुख्यमंत्री योगी की मुहिम को भारत सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत केंद्र सरकार से सीएम ने आठ लाख से अधिक अतिरिक्त आवास की मांग की थी, जिसे मंगलवार को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने इन आवासों के निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। यह आवास मार्च 2024 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ग्रामीण विकास मंत्रालय का आभार प्रकट किया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने योगी की मांग पर कुल 8,62,767 नए आवास के लिए 10,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। प्रदेश में अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 27 लाख आवास बनाए जा चुके हैं।